>

Title: Need to formulate a comprehensive policy and guidelines for proper teaching methods and filling up of vacant posts of teachers in Government Schools in the States.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): सभापति महोदय, यह कटु सत्य है कि देश की प्रांतीय सरकारों द्वारा राजकीय विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त स्थान समय पर नहीं भरने के कारण तथा शिक्षकों को शिक्षण कार्य के अतिरिक्त अन्य कार्यों में भी लगाए जाने से शिक्षण व्यवस्था बहुत प्रभावित हो रही है तथा शिक्षा का स्तर दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है। यही कारण है कि अभिभावकों को राजकीय विद्यालय की बजाय अपने बच्चों को प्राइवेट विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कराने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। अभी भी बहुत से प्रांतों तथा नेपाल और चीन की सीमा पर स्थित उत्तराखंड राज्य के विद्यालयों में वर्षों से अध्यापकों के हजारों पद रिक्त होने से शिक्षण व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हो रही है तथा राज्य के विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ न्याय नहीं हो पा रहा है। इससे जन आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

मेरा सदन के माध्यम से माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री से विनम्र आग्रह है कि केंद्र सरकार द्वारा ऐसी व्यापक नीति बनाई जाए, जिससे सभी प्रदेशों के विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त स्थान समय पर अवश्य भरे जाएं। इसके साथ ही शिक्षकों के शिक्षण कार्य से अतिरक्त अन्य कार्य न करवाने के संबंध में राज्य सरकारों को निर्देशित किया जाए, ताकि बच्चों का भविष्य खराब न हो। धन्यवाद।